

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
13.08.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या : *514

परमाणु संयंत्रों के आस-पास विकिरण का स्तर

*514. श्री दुष्यंत चौटाला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) देश के परमाणु संयंत्रों के आस-पास विकिरण के स्तर की निगरानी करने हेतु क्या तंत्र स्थापित किया गया है;
- (ख) क्या सरकार विद्यमान परमाणु संयंत्र केन्द्रों के आस-पास विकिरण के स्तर के संबंध में आवधिक अध्ययन कराती आ रही है;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश के सभी कार्यरत संयंत्रों के संबंध में किए गए अद्यतन अध्ययनों का परिणाम क्या है;
- (घ) क्या कार्यरत संयंत्रों के आस-पास के जल स्रोतों को भी विकिरण के स्तर संबंधी अध्ययनों में शामिल किया जाता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ.) सरकार द्वारा परमाणु संयंत्रों के आस-पास विकिरण के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए क्या सुरक्षोपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) से
 - (ङ.) तक
- सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है।

* * * * *

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

'परमाणु संयंत्रों के आस-पास विकिरण का स्तर' के बारे में दिनांक 13.08.2014 को श्री दुष्यंत चौटाला द्वारा लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *514 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) नाभिकीय संयंत्रों के आस-पास पर्यावरणीय मानीटरन का काम परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन सभी परमाणु बिजलीघरों के स्थलों पर रिएक्टर को कमीशन करने से काफी पहले पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशालाएं (ईएसएलज) स्थापित की जाती हैं। पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशालाएं संयंत्र स्थल के आस-पास 30 किलोमीटर तक व्यास के क्षेत्र में प्रचालन-पूर्व सर्वेक्षण करती हैं। इससे संयंत्र के आस-पास वायु, मृदा, जल, आहार उत्पादों आदि जैसे पर्यावरणीय जालकों में प्रचालन-पूर्व बेसलाइन परिवेशी विकिरण स्तरों और विकिरणसक्रियता के स्तरों का पता लगता है। रिएक्टर प्रचालन अवधि के दौरान, संयंत्र के प्रचालन के परिणामस्वरूप, आस-पास के पर्यावरण और लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, पर्यावरणीय नमूने, जैसेकि वायु, जल, मृदा, वनस्पति, कृषि उत्पाद, दूध, माँस और अन्य आहार उत्पादों को समय-समय पर एकत्र किया जाता है। पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशालाओं को, पर्यावरणीय नमूनों में और आस-पास के विकिरण स्तरों में, अत्यधिक निम्न स्तर की विकिरणसक्रियता का विश्लेषण करने के लिए अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों और उपयुक्त आधारभूत संरचना से सज्जित किया जाता है। पर्यावरणीय नमूनों और आस-पास के विकिरण स्तरों में, विकिरणसक्रियता के स्तर की तुलना प्रचालन-पूर्व मानों के साथ की जाती है। आम लोगों को मिलने वाली विकिरणसक्रियता की मात्रा का आकलन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत मानक प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। प्राप्त परिणामों को, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद को प्रस्तुत किया जाता है।

(ख) जी, हाँ।

(ग) पिछले कई वर्षों के दौरान, सभी नाभिकीय बिजलीघर स्थलों पर किए गए अध्ययनों से स्पष्टतः यह पता चला है कि, पर्यावरण में विकिरणसक्रियता की मात्रा में कोई अस्वीकार्य वृद्धि नहीं हुई है। आम लोगों को वर्षभर में मिलने वाली विकिरणसक्रियता की अतिरिक्त मात्रा भी काफी कम है और, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद द्वारा विनिर्दिष्ट सीमाओं से नीचे है। संयंत्र के प्रचालन के परिणामस्वरूप प्राप्त विकिरणसक्रियता की यह अतिरिक्त मात्रा, प्राकृतिक पृष्ठभूमिक विकिरण से मिलने वाली मात्रा का एक बहुत छोटा अंश है।

- (घ) जी, हाँ। रेडियोन्यूक्लाइडों की सांद्रता के स्तरों का और विकिरणात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के आस-पास के क्षेत्रों से समय-समय पर जल के नमूने एकत्र किए जाते हैं। भारत में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के प्रचालन से लेकर एकत्र किए गए आंकड़ों से, बेसलाइन डाटा में किसी उल्लेखनीय वृद्धि का पता नहीं चला है, और इस प्रकार यह प्रमाणित हुआ है कि, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के प्रचालन की वजह से पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (ड.) प्रचालनरत नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के आस-पास रहने वाले लोगों के संबंध में जानपदिक अध्ययन स्थानीय मेडिकल कॉलेजों द्वारा, देश के एक अग्रणी कैंसर अनुसंधान केन्द्र, टाटा स्मारक केन्द्र (टीएमसी), मुंबई के सहयोग से किए गए। इन अध्ययनों से यह पता चला है कि, राष्ट्रीय औसत की तुलना में, उन कर्मचारियों में जो नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में काम करते हैं या उनके काफी सन्निकट रहते हैं, कैंसर की वजह से मृत्यु, जन्मजात दोषों या किन्हीं अन्य बीमारियों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।
